Dainik Jagran (National Edition)

30 July, 2018

सही सलाह

सिर्फ 10 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार से नहीं चलेगा पाकिस्तान का काम, एसोचैम ने बताया कि उसे चीन और ईरान के बजाय भारत से कारोबारी रिश्ते बनाने चाहिए

भारत दूर कर सकता है पाकिस्तान का आर्थिक संकट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआइ) के सुप्रीमो इमरान खान ने आम चुनाव में जीत हासिल करने के बाद अपने पहले भाषण में भारत के साथ कारोबार करने पर जोर दिया था। इमरान खान के इस आह्वान का भारतीय उद्योग जगत ने स्वागत किया है। उद्योग चैंबर एसोचैम ने यहां तक कहा है कि पाकिस्तान के जिस आर्थिक संकट में फंसने की बात की है उससे उबारने के लिए उन्हें चीन और ईरान के साथ नहीं बल्कि भारत के साथ कारोबारी रिश्तों को मजबूत बनाने पर ध्यान देना चाहिए। एसोचैम ने कहा है कि सिर्फ भारत ही पाकिस्तान को मौजूदा आर्थिक संकट से उबरने में मदद कर सकता है।

एसोचैम के मुताबिक, इमरान खान कुछ ही दिनों में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पद संभाल लेंगे, तब वह महसूस करेंगे कि वहां की आर्थिक चुनौतियां कितनी बड़ी हैं। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार सिर्फ 10 अरब डॉलर का है जिससे साफ है कि उनके पास विकल्प बेहद कम होंगे। उन्होंने अपने भाषण में जिन समस्याओं का जिक्र किया है उनका समाधान खोजना आसान काम नहीं होगा। इन समस्याओं का समाधान लंबी अवधि की योजनाओं के जरिये ही किया जा सकता है। एसोचैम ने पूर्व क्रिकेटर को क्रिकेट की भाषा में समझाते हुए कहा कि दूसरी पारी में बॉलिंग तभी कारगर होती है जब आपने बहुत ज्यादा स्कोर किया हो। एसोचैम के मुताबिक, इमरान के समक्ष हर तरह की आर्थिक चुनौतियां खड़ी हैं।

खस्ता है आर्थिक हालत

- दिसंबर, 2017 के बाद से वहां का केंद्रीय बैंक रुपये की कीमत दो बार गिरा चुका है।
- एक डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपया अभी 130 रुपये के स्तर पर है।
- आयात महंगा होता जा रहा है, महंगाई बढ़ती जा रही है।
- सितंबर-2017 तक देश पर 85 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज था और इसमें 12.3 फीसद की दर से वृद्धि हो रही है।
- उसका व्यापार घाटा भी 15 अरब डॉलर तक पहुंच गया था और इसमें भी अब और बढ़ोतरी हो चुकी होगी।

आइएमएफ के कठिन उपाय : ऐसे में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की मदद की दरकार हो सकती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इमरान आइएमएफ के सुझाए कठिन कदमों का पालन कर सकेंगे। जिस तरह युवा वर्ग ने इमरान को वोट दिया है उसे देखते हुए ऐसा करना उनके लिए आसान नहीं होगा।

पांच उत्पादों का आयात जरूरी : उद्योग चैंबर ने पाक की समस्या के समाधान का फॉर्मूला निकालते हुए कहा है कि उसे आने वाले दिनों में पांच अहम उत्पादों के आयात की जरूरत होगी। इसमें रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पाद, कंप्यूटर्स, इलेक्ट्रॉनिक मशीनरी, लौह व इस्पात व आटोमोबाइल खास होंगे।

भारतीय मदद से बचेगी विदेशी मुद्रा : इमरान सरकार भारत सरकार के साथ इन उत्पादों के आयात की सहूलियत को लेकर समझौता कर सकती है। दोनों देशों की सरकारों के बीच 'उत्पादों के बदले उत्पाद' आधार पर कारोबार का समझौता हो सकता है जिससे पाकको विदेशी मुद्रा खर्च नहीं करनी पड़ेगी।

14 अगस्त से पहले प्रधानमंत्री बनेंगे इमरान

इस्लामाबाद : नेशनल असेंबली के चुनाव में सबसे बड़े दल के रूप में उभरे पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) ने कहा है कि उसके नेता इमरान खान 14 अगस्त से पहले प्रधानमंत्री पद की शपथ ले लेंगे। उस दिन पाकिस्तान अपना स्वाधीनता दिवस मनाता है। पीटीआइ के नेता नईमुल हक ने कहा कि हमने अपना होमवर्क कर लिया है। 14 अगस्त से पहले नई सरकार का गठन हो जाएगा। इसके लिए पार्टी छोटी पार्टियों और निर्दलीय सांसदों को अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रही है। उल्लेखनीय है कि सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने के बावजूद पीटीआइ स्पष्ट बहुमत से पीछे रह गई। (पेज-11)

ASSOCHAM IN THE NEWS

Rashtriya Sahara — **30 July, 2018**

आयात पर निर्भरता घटाने में पाक की मदद कर सकता है भारत

एसोचैम ने चुनाव में जीत पर इमरान को दी बधाई

कोलकाता (वार्ता)।

देश के प्रमुख उद्योग संगठन एसोचैम ने कहा है कि इमरान खान के पाकिस्तान का नया प्रधानमंत्री बनने के बाद चीन और ईरान पाकिस्तान को अर्थव्यवस्था के संकट से उबारने में भले ही मदद करें लेकिन सही मायनों में केवल भारत ही आयात पर निर्भरता कम करने में पाकिस्तान की मदद कर सकता है।

एसोचैम के अनुसार जैसे ही इमरान खान प्रधानमंत्री पद ग्रहण करेंगे वैसे ही उनको आर्थिक मोर्चे पर मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। उनके पास अमेरिकी डालर से विनिमय करने के लिए 10 अरब से कम ही राशि है। पाकिस्तान चुनाव में श्री खान की जीत की बधाई देते हुए एसोचैम ने कहा कि नए प्रधानमंत्री को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

- पाकिस्तान के पास काफी कम बचा है विदेशी मुद्रा भंडार
- ऐसे में वस्तुओं के आयात में आ सकती हैं कई मुश्किलें
- भारत से आयात करे तो पाक बचा सकता है विदेशी मुद्रा
- तेल, कम्प्यूटर, आटोमोबाइल व इस्पात आयात करता है पाक

सरकारी सेंट्रल बैंक द्वारा दिसम्बर से तीन बार अवमूल्यन के बाद एक अमेरिकी डालर की कीमत पाकिस्तान के 130 रुपए आस-पास हो गई जिससे आयात काफी महंगा हो गया है जबकि मुद्रास्फीति बढ़ रही है। परिष्कृत पेट्रोलियम तेल, कम्प्यूटर, विद्युत मशीनरी, लोहा और इस्पात और आटोमोबाइल मुख्य पांच पाकिस्तानी वस्तुएं है जो देश के लिए जरूरी हैं और पाक को इसका आयात करना पड़ता है।

पाकिस्तान सरकार भारत सरकार के साथ व्यापार के लिए प्रयास कर सकती है जो नकदी के बिना इन सभी वस्तुओं को काउंटर-ट्रेड में निर्यात करें। यह पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए बड़ी राहत हो सकती है, जबकि भारत के पास भारतीय रिजर्व बैंक के साथ 400 अरब अमेरिकी डालर के सौदे के लिए पर्याप्त जगह है। एसोचैम के अनुसार नए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को नेतृत्व क्षमता दिखानी है, जैसी उन्होंने अपने विजय भाषण के दौरान दिखाई है। जिससे पाकिस्तान की मुख्य समस्याओं, सीमा पार से वस्तुओं का आयात और नकदी के बिना लेनदेन का समाधान हो सके।

चैंबर के अनुसार चीन और ईरान पाकिस्तान के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जबकि पेइचिंग और तेहरान अमेरिका से साथ व्यापार युद्ध और प्रतिबंधों के होते हुए अपने व्यापार और राजनीतिक तनाव को बहाल कर रहे हैं। इन परिस्थितियों में इमरान खान के लिए पहला पड़ाव नई दिल्ली होना चाहिए।

Dainik Jagran

30 July, 2018

एसोचैम का सुझाव आर्थिक संकट से उबरने के लिए पाकिस्तान को भारत से मजबूत करने चाहिए रिश्ते

भारत दूर कर सकता है पाक का आर्थिक संकट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआइ) के सुप्रीमो इमरान खान ने आम चुनाव में जीत हासिल करने के बाद पहले भाषण में भारत के साथ कारोबार करने पर जोर दिया था। उनके इस आह्वान का भारतीय उद्योग जगत ने स्वागत किया है। उद्योग चैंबर एसोचैम ने यहां तक कहा है कि पाकिस्तान को आर्थिक संकट से उबरने के लिए भारत के साथ कारोबारी रिश्तों को मजबूत बनाने पर ध्यान देना चाहिए। एसोचैम ने कहा है कि सिर्फ भारत ही पाकिस्तान को आर्थिक संकट से उबरने में मदद कर सकता है।

एसोचैम के मुताबिक, प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद इमरान खान को महसूस होगा कि पाकिस्तान की आर्थिक चुनौतियां कितनी बड़ी हैं। विदेशी मुद्रा भंडार सिर्फ 10 अरब डॉलर का है। उन्होंने अपने भाषण में जिन समस्याओं का जिक्र किया है, उनका समाधान लंबी अवधि की योजनाओं के जरिये ही किया जा सकता है। एसोचैम ने पूर्व क्रिकेटर को क्रिकेट की भाषा में समझाते हुए कहा कि दूसरी पारी में बॉलिंग तभी कारगर होती है, जब आपने बहुत ज्यादा स्कोर किया हो।

आइएमएफ के कठिन उपाय : ऐसे में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) की मदद की दरकार हो सकती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इमरान आइएमएफ के सुझाए कठिन कदमों का पालन कर सकेंगे। जिस तरह युवा वर्ग ने इमरान को वोट दिया है, उसे देखते हुए ऐसा करना आसान नहीं होगा।

उद्योग चैंबर ने कहा है कि उसे आने वाले दिनों में पांच अहम उत्पादों रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पाद, कंप्यूटर्स, इलेक्ट्रॉनिक मशीनरी, लौह व इस्पात व ऑटोमोबाइल के आयात की जरूरत होगी। इमरान सरकार भारत के साथ इन उत्पादों के आयात की सहूलियत को लेकर समझौता कर सकती है। समझौता 'उत्पादों के बदले उत्पाद' आधार पर कारोबार का हो सकता है, जिससे पाकिस्तान को विदेशी मुद्रा खर्च नहीं करनी पड़ेगी। भारत इन उत्पादों की आसानी से आपूर्ति करने की स्थिति में है।

ध्यान दें इमरान

- सिर्फ 10 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार से नहीं चलेगा काम
- पाक के भावी पीएम ने पहले भाषण में द्विपक्षीय कारोबार पर दिया था जोर

खस्ता है अर्थव्यवस्था

- दिसंबर, 2017 के बाद से वहां का केंद्रीय बैंक रुपये की कीमत दो बार गिरा चुका है।
- एक डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपया अभी 130 रुपये के स्तर पर है।
- आयात महंगा होता जा रहा है, महंगाई बढ़ती जा रही है।
- सितंबर-2017 तक देश पर 85 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज था और इसमें 12.3 फीसद की दर से वृद्धि हो रही है।
- उसका व्यापार घाटा भी 15 अरब डॉलर तक पहुंच गया था और इसमें भी अब और बढ़ोतरी हो चुकी होगी।